अखिलभारतीय आयुर्विज्ञानसंस्थान, भोपाल
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL
Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

(जन संपर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति (09 नवम्बर 2020)

1. एम्स, भोपाल में आग से जलने वाले गंभीर रोगियों की देखभाल के लिए ''बर्न ईकाई'' शुरू।

आग से जलने पर विभिन्न प्रकार की चोटों से पिड़ित रोगियों की आपातकालीन देखभाल के लिए दिनांक 09.11.2020 को एम्स, भोपाल के निदेशक एवं सीईओ प्रो.(डॉ.) सरमन सिंह द्वारा ''बर्न ईकाई'' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रो. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक), श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिदेशक (प्रशासन), डॉ. मनीषा श्रीवास्तव, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. मनाल मोहम्मद खान, विभागाध्यक्ष बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी सहित इस विभाग के अन्य सदस्य नामतः डॉ. दीपक कृष्णा, डॉ. दीपक चतुर्वेदी, डॉ. केतन परमार, डॉ. वेद प्रकाश राव चेरुवु, रेजिडेंट्स एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

वर्तमान में यह सेवा समस्त उपकरणों से सुसज्जित 02 बेड वाले बर्न वार्ड तथा ट्रॉमा एवं आपातकालीन सेवाओं के लिए समर्पित बर्न ऑपरेशन थियेटर से लैस है और यह बर्न इंजरी की रोकथाम एवं प्रबंधन के राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPPMBI) के दिशानिर्देशों के अनुसार भविष्य में एम्स, भोपाल को एक स्पेशलाइज्ड बर्न सेंटर के रूप में विकसित करने की योजना को ध्यान में रखते हुए किया गया है। बर्न वार्ड गहन निगरानी एवं वेंटिलेटर बैकअप सेवाओं से सुसज्जित है। यद्यपि एम्स, भोपाल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग द्वारा पहले से ही बर्न रोगियों का बाह्य रोगी सेवाओं के माध्यम से उपचार किया जा रहा है एवं बर्न रोकियों के लिए घावों के तथा पोस्ट बर्न सर्जरी के निशान को हटाने का कार्य लम्बे समय से जारी है अब आपातकालीन सेवाओं के प्रबंधन के लिए बर्न ईकाई भी कार्यशील हो गई है।

हमारे देश में जलने के मामले सामान्य हैं तथा इसमें मृत्यु की अत्याधिक संभावनाओं के कारण इन्हें चोट के सबसे घातक प्रकार माना गया है। एम्स, भोपाल में बर्न सेवाओं का आरंभ होना अति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल दीर्घकालिक उपचार प्रक्रिया है बल्कि इसमें रोगियों का बहुत अधिक धन भी व्यय हो जाता है। विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार भोपाल के आसपास प्रति वर्ष लगभग गंभीर रूप से जलने की 750 ऐसी घटनाएं घटित हो जाती हैं और यह आंकड़े दीपावली के दौरान विशेष रूप से बढ़ जाते हैं जिनके लिए रोगी को भरती करने एवं बर्न ईकाई की स्थापना करने की आवश्यकता महसूस होती है। अब से इन रोगियों को एम्स, भोपाल में भी देखभाल, वुंड कवर सर्जरी, देरी से आने वाले मामलों में सर्जरी तथा पुनर्वास की विस्तृत एवं वहनीय सेवाएं उपलब्ध हो जाएंगी।

2. एम्स भोपाल के ट्रामा एंड इमरजेंसी मेडिसिन ब्लॉक में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) की आपूर्ति की सुविधा

प्रो. सरमन सिंह निदेशक, एम्स भोपाल द्वारा दिनांक 09 नवम्बर 2020 को अस्पताल के ट्रामा एंड इमरजेंसी मेडिसिन (टीईएम) ब्लाक में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की सुविधा का उद्‌घाटन किया गया। लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट अब टीईएम ब्लॉक में सेवाएं देने के लिए तैयार है। अब तक जंबो ऑक्सीजन सिलेंडरों के माध्यम से संचालित 108 ऑक्सीजन पाइंट के द्वारा इसका प्रबंधन किया जा रहा था। एलएमओ आपूर्ति अब आक्सीजन आपूर्ति का प्राथमिक स्रोत होगा। यह सुविधा न केवल निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगी, बल्कि इससे टीईएम ब्लॉक में आईसीयू की सुविधा का विस्तार भी होगा। उद्‌घाटन के दौरान निदेशक महोदय के साथ उपनिदेशक (प्रशासन) श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. मनीषा श्रीवास्तव, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लक्ष्मी प्रसाद, विभागाध्यक्ष निश्चेतन विभाग डॉ. वैशाली वैंडेस्कर, निश्चेतन विभाग के संकाय सदस्य डॉ. जे.पी. शर्मा अधीक्षण अभियंता श्री जीतेन्द्र सक्सेना, वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्री एम. विनोद कुमार, एवं उपचिकित्सा अधीक्षक मयंक दीक्षित उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान निदेशक द्वारा एम्स भोपाल में रोगी देखभाल सेवाओं के विस्तार के लिए समर्पित दो नई सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया गया और क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संस्थान में निरंतर सुधार को जारी रखने की बात कही गई।

एम्स भोपाल के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा निदेशक को उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया गया साथ ही उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई।

डॉ. लक्ष्मी प्रसाद
अपर चिकित्सा अधीक्षक
एवं मुख्य जन संपर्क अधिकारी